

झरने-सी बह रही है जिंदगी

झरने की तरह बेफिक्र होकर बहने का नाम है युवा। आइआईटी स्टूडेंट इशान सचदेवा, अनोली, अनुपमा एसके व सुधांशु जब खंडवा रोड पर अपना साइकिल लिए झूमते हुए निकले, तो सिमरोल से चोरल घाट के बीच अचानक ही उन्हें यह झरना दिख गया। तब मन झूम उठा व बोला – झरने सी बह रही है जिंदगी... ●राजू पवार

